

## मालदीव के राष्ट्रपति की भारत यात्रा

### प्रारंभिक परीक्षा के लिये:

पड़ोसी प्रथम की नीति, **SAGAR** (क्षेत्र में सभी की सुरक्षा और विकास) वज़िन, ट्रेजरी बलि, करेंसी स्वैप, हृदि महासागर क्षेत्र, मुक्त व्यापार समझौता, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (DPI), एकीकृत भुगतान इंटरफेस, वन सन वन वरल्ड वन ग्रडि, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, कोलंबो सुरक्षा कॉन्क्लेव ।

### मुख्य परीक्षा के लिये:

हृदि महासागर क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि बनाए रखने के क्रम में भारत-मालदीव संबंधों का महत्त्व ।

**स्रोत: वदेश मंत्रालय**

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जु ने भारत की चार दृविसीय राजकीय यात्रा की और नई दल्लिी को अपना मूल्यवान साझेदार बताया ।

- यह यात्रा महत्त्वपूर्ण है क्योंकि राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जु ने इससे पूर्व भारत वरिधी भावनाओं के साथ भारतीय प्रधानमंत्री के खलिाफ अपने मंत्रियों की अपमानजनक टपिपणियों का समर्थन किया था ।

### इस यात्रा के प्रमुख परिणाम क्या हैं?

- द्वपिक्षीय संबंधों को मज़बूत करना: भारत ने अपनी पड़ोसी प्रथम नीति और सागर (क्षेत्र में सभी के लिये सुरक्षा और विकास) दृष्टिकोण के तहत मालदीव को समर्थन देने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की ।
- आपातकालीन वित्तीय सहायता: भारत ने अपनी तत्काल वित्तिपोषण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के ट्रेजरी बलि (टी-बलि) प्रदान किये ।
  - इसके अतिरिक्त भारत ने मालदीव को उसकी वित्तीय कठिनाइयों के प्रबंधन में और अधिक सहायता देने के लिये 400 मिलियन अमेरिकी डॉलर और 30 बलियन रुपए के द्वपिक्षीय मुद्रा वनिमिय समझौते पर हस्ताक्षर किये ।
- व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी: दोनों देश संबंधों को व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी में बदलने पर सहमत हुए ।
  - यह ढाँचा जन-केंद्रित, भवषियोनमुखी तथा हृदि महासागर क्षेत्र में स्थिरता का आधार होगा ।
- विकास सहयोग: भारत और मालदीव ग्रेटर माले कनेक्टिविटी परियोजना (GMCP) को समय पर पूरा करने को प्राथमिकता देंगे साथ ही थलिाफुशी और गरिावारू द्वीपों को जोड़ने के लिये व्यवहार्यता अध्ययन करेंगे ।
  - दोनों पक्ष थलिाफुशी में एक वाणज्यिक बंदरगाह विकसिति करने, ट्रांसशपिमेंट और बंकरगि सेवाओं का वसितार करने तथा हनीमाधू और गान जैसे हवाई अड्डों की क्षमता को अधिकित्तम करने पर सहयोग करेंगे ।
- व्यापार और आर्थिक सहयोग: दोनों पक्ष द्वपिक्षीय मुक्त व्यापार समझौते, स्थानीय मुद्रा व्यापार निपिटान, नविश संवर्द्धन, आर्थिक वविधीकरण और पर्यटन को बढ़ावा देने पर चर्चा शुरू करने पर सहमत हुए ।
- डिजिटल और वित्तीय सहयोग: दोनों पक्षों ने भारत के एकीकृत भुगतान इंटरफेस (UPI), वशिषिट डिजिटल पहचान, गतिशक्ति योजना और अन्य डिजिटल सेवाओं के शुभारंभ के माध्यम से डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (DPI) के क्षेत्र में सहयोग करने पर सहमतवियक्त की, जसिसे ई-गवर्नेंस और सेवाओं की डल्लिवरी में वृद्धि होगी ।
  - भारत ने मालदीव आने वाले भारतीय पर्यटकों के लिये भुगतान को आसान बनाने के लिये मालदीव में RuPay कार्ड लॉन्च किये ।
- ऊर्जा सहयोग: दोनों पक्ष नवीकरणीय ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता परियोजनाओं पर सहयोग करेंगे ताकमालदीव अपने जलवायु लक्ष्यों को पूरा कर सके ।
  - भारत वैश्विक सौर ऊर्जा परियोजना, वन सन वन वरल्ड वन ग्रडि पहल में मालदीव की भागीदारी में सहायता करेगा ।
- स्वास्थ्य सहयोग: भारत से सस्ती जेनेरिक औषधियों की आपूर्ति के लिये मालदीव में जन औषधि केंद्र स्थापति किए जाएँगे ।
  - दोनों देश मानसकि स्वास्थ्य सेवाओं, मादक औषधियों की लत से मुक्ति और आपातकालीन चकितिसा नकिासी क्षमता नरिमाण प्रयासों

पर सहयोग करेंगे।

- **रक्षा और सुरक्षा सहयोग:** दोनों पक्षों ने भारत द्वारा वतितपोषति उथुरु थलि फालहू (UTF) में मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल (MNDF) 'एकथा' बंदरगाह परियोजना को पूरा करने के महत्त्व को स्वीकार किया, जिससे MNDF की परचालन क्षमताओं को बढ़ावा मिला।
- **खाद्य सुरक्षा:** दोनों देश भारतीय सहायता से कृषिआर्थिक क्षेत्र की स्थापना और हा धालू एटोल में पर्यटन नविश तथा हा अलफि एटोल में मत्स्य परसंसकरण और डबबाबंद सुविधा के लिये संयुक्त रूप से कार्य करने पर सहमत हुए।
- **क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण:** युवा नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिये मालदीव में एक स्टार्ट-अप इनक्यूबेटर-एक्सेलेरेटर स्थापति किया जाएगा।
- **लोगों के बीच संपर्क:** दोनों देशों ने लोगों के बीच संपर्क को बढ़ावा देने के लिये बंगलूरु (भारत) और अड्डू शहर (मालदीव) में वाणजिय दूतावास स्थापति करने का निर्णय लिया।
  - उच्च शिक्षा संस्थान, इसमें कौशल केंद्र तथा मालदीव राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद की स्थापना शामिल है।
- **क्षेत्रीय और बहुपक्षीय सहयोग:** भारत और मालदीव ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों, विशेष रूप से कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन (CSC) में घनषिठ सहयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।
- **राजनीतिक आदान-प्रदान:** दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों के चालक के रूप में साझा लोकतांत्रिक मूल्यों को मान्यता देते हुए, अपने-अपने संसदों के बीच सहयोग को औपचारिक बनाने पर सहमत वियक्त की।
- **उच्च स्तरीय कोर समूह की स्थापना:** सहयोगात्मक ढाँचे का समय पर और प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिये एक नवीन उच्च स्तरीय कोर समूह की स्थापना की जाएगी।



## मालदीव के राष्ट्रपति ने अपना भारत वरिधी रुख नरम क्यों किया?

- **मालदीव में आर्थिक संकट:** मालदीव वर्तमान में गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है, इसका वदिशी मुद्रा भंडार घटकर मात्र 440 मिलियन अमेरिकी डॉलर रह गया है, जो केवल 1.5 महीने के आयात को कवर करने के लिये पर्याप्त है।
  - यह स्थिति ऋण भुगतान में चूक के खतरे से और भी जटिल हो गई है, जैसा कि मूडीज ने संकेत दिया है, जिसने देश की क्रेडिट रेटिंग घटा दी।
- **आर्थिक निर्भरता:** मालदीव की अपने महत्त्वपूर्ण पर्यटन उद्योग के लिये भारतीय पर्यटकों पर निर्भरता भी एक भूमिका निभाती है।
  - भारतीय पर्यटक मालदीव की पर्यटन अर्थव्यवस्था में सबसे बड़ा योगदानकर्त्ता हैं, तथा तनावपूर्ण संबंधों के कारण भारतीय पर्यटकों की संख्या में कमी के कारण अनुमानतः 150 मिलियन अमेरिकी डॉलर का नुकसान हुआ है।
- भारत मालदीव का पाँचवा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, जो खाद्य, औषधि और निर्माण सामग्री जैसी आवश्यक आपूर्ति प्रदान करता है।
- भारत का सामरिक महत्त्व: ऐतिहासिक रूप से भारत मालदीव के विकास और सुरक्षा परदृश्य में एक प्रमुख अभिर्त्ता रहा है। भारत को अलग-थलग करना मालदीव की क्षेत्रीय स्थिरता और सुरक्षा को कमजोर कर सकता है।

- मालदीव के राष्ट्रपति ने ज़रूरत के समय में मालदीव के लिये 'प्रथम प्रतिक्रियादाता' के रूप में भारत की नरितर भूमिका को स्वीकार किया। उदाहरण के लिये वर्ष 2014 में माले में जल संकट और **कोविड-19 महामारी** आदि।
- भारत मालदीव का **प्राथमिक सुरक्षा साझेदार** रहा है, जिसका प्रमाण **"ऑपरेशन कैक्टस" (1988)** जैसे ऐतिहासिक अभियानों से मलित है, जहाँ भारत ने तख़्तापलट के प्रयास को रोकने के लिये हस्तक्षेप किया था।
- **चीन के साथ भू-राजनीतिक संतुलन:** उनका नरम रुख, चीन की ओर पूर्ण झुकाव के बजाय, भारत और चीन दोनों के साथ **संबंधों को संतुलित करने के लिये एक व्यावहारिक दृष्टिकोण को दर्शाता है।**
  - इससे मालदीव को वदेश नीति विविधता बनाए रखते हुए भारत की विकास और सुरक्षा साझेदारी से लाभ प्राप्त करने का अवसर मलित है।
- **राजनीतिक यथार्थवाद:** भारत और मालदीव के बीच राजनीतिक बयानबाजी और सोशल मीडिया पर वविदों से उपजे तनाव को द्वपिक्षीय संबंधों के लिये हानिकारक माना गया।
  - यह यात्रा एक रणनीतिक कदम है, ताकि साझेदारी के आर्थिक और भू-राजनीतिक महत्त्व को देखते हुए भारत के साथ द्वपिक्षीय संबंधों को मज़बूत बनाए रखा जा सके।

## भारत के लिये मालदीव का क्या महत्त्व है?

- **रणनीतिक स्थान:** मालदीव हदि महासागर में प्रमुख अंतरराष्ट्रीय शिपिंग लेन (ISL) के तट पर स्थित है, जो वैश्विक व्यापार और ऊर्जा प्रवाह के लिये महत्त्वपूर्ण है।
  - भारत का लगभग 50% बाह्य व्यापार और 80% ऊर्जा आयात इन्हीं मार्गों से होकर गुजरता है।
- **चीनी प्रभाव का सामना करना:** भारत मालदीव को क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का प्रतिकार करने तथा इसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये एक महत्त्वपूर्ण अभिक्रिया के रूप में देखता है।
- **भारत के लिये हदि महासागर का महत्त्व:** हदि महासागर में अनुकूल और सकारात्मक समुद्री वातावरण भारत की रणनीतिक प्राथमिकता की पूर्ति के लिये आवश्यक है। इसके लिये मालदीव हदि महासागर क्षेत्र में एक महत्त्वपूर्ण साझेदार है।
- **जलवायु परिवर्तन सहयोग:** समुद्र-स्तर में वृद्धि और जलवायु आपदाओं के प्रति अपनी संवेदनशीलता के कारण मालदीव, जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और शमन रणनीतियों में भारत के लिये एक महत्त्वपूर्ण साझेदार है।

## नक्षिकर्ष

मालदीव के राष्ट्रपति मुइज़ू की हाल की भारत यात्रा ने द्वपिक्षीय संबंधों में महत्त्वपूर्ण बदलाव को चहिनति किया, जो आरंभिक तनाव से नए सारि से सहयोग की ओर बढ़ रहा है। आर्थिक चुनौतियों के बीच, इस यात्रा ने मालदीव के लिये एक प्रमुख भागीदार के रूप में भारत की महत्त्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया, जो क्षेत्र के भू-राजनीतिक संतुलन को स्थिर करते हुए रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देता है।

????? ???? ?????:

**प्रश्न:** मालदीव के आर्थिक संकट और भारत की वित्तीय सहायता के संदर्भ में चर्चा कीजिये कि आर्थिक कारक कूटनीतिको कसि प्रकार प्रभावित करते हैं।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न (PYQs)

????? ?????:

**प्रश्न:** वैश्विक व्यापार और/ऊर्जा प्रवाह पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत के लिये मालदीव के भू-राजनीतिक और भू-रणनीतिक महत्त्व पर चर्चा कीजिये। आगे यह भी चर्चा करें कि यह संबंध अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के बीच भारत की समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता को कैसे प्रभावित करता है? (2024)

**प्रश्न:** पछिले दो वर्षों में मालदीव में राजनीतिक विकास पर चर्चा कीजिये। क्या वे भारत के लिये चिता का कोई कारण हो सकते हैं? (2013)